पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय शैक्षणिक पटल पर लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों का गौरवपूर्ण परचम

NCERT की कक्षा 11 एवं 12 की जैव प्रौद्योगिकी पाठ्यपुस्तकों के निर्माण में निभाई अग्रणी भूमिका, तैयार हुईं 6 राष्ट्रीय पाठ्यपुस्तकें एवं प्रयोगशाला पुस्तिकाएं

लखनऊ : 12 नवंबर, 2026

उच्च शिक्षा, शोध और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम निर्माण के क्षेत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने एक बार फिर अपनी अकादमिक उत्कृष्टता और विद्वता का लोहा मनवाया है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT), नई दिल्ली द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के सक्रिय सहयोग से कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों के लिए जैव प्रौद्योगिकी (Biotechnology) विषय की 6 महत्वपूर्ण पाठ्यपुस्तकों एवं प्रयोगशाला पुस्तिकाओं का सफलतापूर्वक विकास किया गया है। इस ऐतिहासिक राष्ट्रीय परियोजना में लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं जैव रसायन विभाग के पूर्व प्रोफेसर प्रो. यू.एन. द्विवेदी तथा जैव रसायन विभाग की वरिष्ठ आचार्य प्रो. कुसुम यादव ने केंद्रीय और अत्यंत निर्णायक भूमिका निभाई है।

प्रो. कुसुम यादव का विशिष्ट एवं बहुआयामी योगदान

इस महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय पुस्तक निर्माण परियोजना में लखनऊ विश्वविद्यालय के जैव रसायन विभाग की प्रो. कुसुम यादव की विद्वता, लेखन कौशल और विषय–विशेषज्ञता ने पुस्तकों को अत्यंत समृद्ध और विद्यार्थी–उपयोगी बनाया है।

प्रो. कुसुम यादव ने जैव प्रौद्योगिकी के अत्यंत जटिल और महत्वपूर्ण विषयों – जैसे जैव अणु (Biomolecules), एंजाइम गतिकी (Enzyme Kinetics), जैव ऊर्जा विज्ञान (Bioenergetics), चयापचय पथ (Metabolic Pathways) तथा कृषि में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग – पर स्वयं मौलिक अध्याय लिखे हैं। विशेष बात यह है कि उन्होंने यह लेखन कार्य अंग्रेजी और हिंदी दोनों संस्करणों में बखूबी किया है।

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रयोगात्मक दक्षता विकसित करने के उद्देश्य से उन्होंने दोनों भाषाओं की प्रयोगशाला पुस्तिकाओं के लिए अनेक व्यावहारिक प्रयोगों का लेखन किया है, जिससे देश भर के छात्रों को प्रायोगिक ज्ञान अत्यंत सुलभ हो सका है। लेखन के साथ–साथ प्रो. कुसुम यादव ने सभी पाठ्यपुस्तकों की गहन समीक्षा और सूक्ष्म संपादन का महत्वपूर्ण दायित्व भी निभाया, जिससे पुस्तकों की वैज्ञानिक सटीकता और गुणवत्ता विश्वस्तरीय बनी रहे।

प्रो. यू.एन. द्विवेदी का दूरदर्शी मार्गदर्शन

लखनऊ विश्वविद्यालय में जैव प्रौद्योगिकी शिक्षा की नींव रखने वाले पूर्व कुलपति प्रो. यू.एन. द्विवेदी ने इस पूरी परियोजना में मार्गदर्शक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उल्लेखनीय है कि प्रो. द्विवेदी द्वारा ही वर्ष 2002 में लखनऊ विश्वविद्यालय में एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। वर्ष 2017 में प्रारंभ हुई NCERT की इस परियोजना में समिति के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार ने प्रो. यू.एन. द्विवेदी के कुशल मार्गदर्शन तथा प्रो. कुसुम यादव व देश के अन्य विद्वान सदस्यों के समन्वय से इन पुस्तकों का पाठ्यक्रम तैयार किया।

पुस्तकों को अंतिम रूप देने से पूर्व देश भर के कक्षा 11 एवं 12 के जीव विज्ञान शिक्षकों के साथ इनकी विस्तृत समीक्षा की गई तथा उनके व्यावहारिक सुझावों को समाहित किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रयोगशाला पुस्तिकाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विभिन्न राज्यों के विद्यालयी शिक्षकों को विशेष प्रायोगिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से विकसित पाठ्यपुस्तकों का विवरण

अंग्रेजी माध्यम :
Biotechnology for Class 11 (2019 में प्रकाशित)
Biotechnology for Class 12 (2023 में प्रकाशित)
Laboratory Manual for Class 11 and 12 (2026 में प्रकाशित)

हिंदी माध्यम :
जैव प्रौद्योगिकी कक्षा 11 (2026 में प्रकाशित)
जैव प्रौद्योगिकी कक्षा 12 (शीघ्र प्रकाश्य)

प्रयोगशाला पुस्तिका : जैव प्रौद्योगिकी कक्षा 11 और 12 के लिए (2026 में प्रकाशित)

वर्तमान में ये पाठ्यपुस्तकें केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) सहित देश भर के विभिन्न राज्य शिक्षा बोर्डों में उच्च माध्यमिक स्तर पर जैव प्रौद्योगिकी शिक्षण का मुख्य आधार बनी हुई हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय और विशेष रूप से जैव रसायन विभाग के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि प्रो. कुसुम यादव और प्रो. यू.एन. द्विवेदी जैसे समर्पित शिक्षकों की विद्वता से निर्मित ये पुस्तकें देश की भावी वैज्ञानिक पीढ़ी का मार्गदर्शन कर रही हैं।

सम्पर्क सूत्र– धर्मवीर खरे

राम यतन/06:50 PM

फोन नम्बर Direct : 0522–2239023 ई0पी0बी0एक्स0: 0522–2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225
फैक्स नं0 : 0522–2237230 0522–2239586 ई–मेल : upsoochna@gmail.com,
वेबसाइट :www.information.up.gov.in